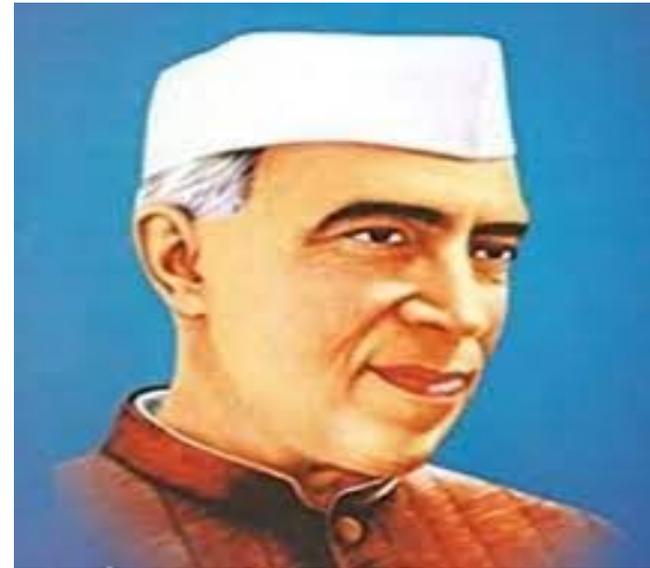




CLASS: III
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NAME&NO-पाठ-९(देश-प्रेम)
SUB -TOPIC-प्रस्तावना,आदर्श पठन

CHANGING YOUR TOMORROW





पाठ-९ देश-प्रेम

जापान को उगते सूरज का देश कहते हैं। कई नैसर्गिक विपदाओं के बाद भी इस देश ने खूब तरक्की की है। इसका मुख्य कारण है कि यहाँ के लोग मेहनती हैं। बचपन से इन्हें मेहनत करने की आदत होती है। जापान में बौद्ध धर्म का प्रचार है। जापानी लोग बच्चों को धार्मिक आचरण सिखाते हैं। बच्चों में देश प्रेम की भावना को भी बढ़ाते हैं।



सन 1947 के पहले की बात है। तब भारत स्वतंत्र नहीं था। यहाँ अंग्रेजों का शासन चलता था। उस समय की घटना है यह, जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस जापान गए थे। वे जापानी बच्चों का देश-प्रेम परखना चाहते थे। वे एक प्राथमिक पाठशाला में पहुँचे। सुभाष चंद्र ने आठ साल के एक लड़के को पास बुलाया उन्होंने उससे पूछा क्या तुम जानते हो कि गौतम बुद्ध कौन हैं? लड़के ने झट से कहा, उनको कौन नहीं जानता? हम तो रोज उनको प्रणाम करते हैं।



नेताजी ने फिर पूछा अगर कल बुध यहाँ आए तो तुम क्या करोगे? लड़का खुशी से बोला वे आएँगे, तो हम उनका स्वागत करेंगे। नेता जी ने फिर पूछा मान लो अकेले नहीं बड़ी सेना लेकर आते हैं और जापान पर चढ़ाई करने आते हैं, तब तुम क्या करोगे? यह सुनकर लड़के की आँखें लाल हो गई उसने अपना हाथ ऊपर उठा कर जोर से कहा हम हाथ में बंदूक लेकर जाएँगे। उनका विरोध करेंगे और दुश्मन को भगाकर देश की रक्षा करेंगे लड़के का उत्तर सुनकर नेताजी गदगद हो उठे। वे मन ही मन बोले अगर भारत के बच्चों और लोगों में भी ऐसा देश प्रेम होता तो अंग्रेज भारतीयों पर कैसे शासन करते?

गृह कार्य

तुम मुझे खून दो , मैं तुम्हें आजादी दूँगा" , "जय जवान,
जय किसान" - "आराम,हराम है" - बताइए ये नारे किसने
दिए हैं इस तरह के आजादी के अलग-अलग नारों को याद
करते हुए कक्षा में सुनाएँ

अध्ययन के परिणाम



बच्चों में पठन कौशल का अधिक से अधिक विकास हो पाया।



THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP